पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.03.2025 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु **खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया,** घन्टाघर, दिल्ली– 110007, **आई. एफ. एस. कोड** SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9810117464** पर एस.एम.एस कर दें या **9868051444** पर googlepay कर दें।

–अनिल आर्य

वर्ष-41 अंक-20 चैत्र-2082 दयानन्दाब्द 201 16 मार्च से 31 मार्च 2025 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2025, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

रोहतक में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य विद्वत सम्मेलन सम्पन्न

युवा ही समाज में परिवर्तन ला सकते हैं –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान –स्वामी रामदेव
मेरी उपलब्धियां महर्षि दयानन्द की देन –कैलाश सत्यार्थी (नोबेल पुरस्कार विजेता)

रोहतक, रविवार 9 मार्च 2025, आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आर्य नेता स्वामी आर्यवेश की अध्यक्षता में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय आर्य विद्वत सम्मेलन का स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ टीटोली रोहतक में समापन हो गया।कार्यक्रम में देश विदेश से सैकड़ों आर्य विद्वानों ने भाग लेकर नई ऊर्जा का संचार कर दिया। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज की स्थापना के नव विक्रम संवत पर 150 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं आर्य समाज ने अपनी स्थापना से ही पाखंड अन्धविश्वास कुरीतियों के विरुद्ध शंखनाद किया और समाज में तर्क से सोचने समझने की दिशा ही बदल डाली।आज फिर आर्य समाज की पहले से अधिक आवश्यकता है इसके लिए युवा शक्ति को आर्य समाज से जोड़ना होगा तभी यह आंदोलन आगे बढ़ सकता है।दुनियां में कोई परिवर्तन या बदलाव युवा शक्ति ही लाया करती है।हमें चाहिए कि अपने परिवार को समाज के साथ जोड़ें, पारिवारिक सत्संग द्वारा घर घर तक पहुंच बनायें और युवाओं को कोई सामाजिक कार्यक्रम प्रदान करें इस दिशा में युवक चरित्र निर्माण शिविरों की विशेष भूमिका रहेगी। मुख्य अतिथि नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि मेरी उपलब्धियों का श्रेय महर्षि दयानन्द सरस्वती को जाता है मेरे जीवन में उनका विशेष प्रभाव रहा उन्होंने कहा कि बंधुआ मजदूरों के लिए किए कार्य से पहचान मिली हमें सामाजिक मुद्दों पर कार्य करना चाहिए जिससे नए लोग आपके साथ जुड़ेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा यह बात नयी पीढ़ी को बतलाने की आवश्यकता है।कार्यक्रम अध्यक्ष स्वामी आर्य वेश ने कहा कि आने वाले समय में आर्य समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वामी आदित्य वेश ने किया व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रो. विठ्ठल राव ने सफ़ल आयोजन के लिए बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। प्रमुख रूप से आर्य नेता ठाकुर विक्रम सिंह, गाजियाबाद से माया प्रकाश त्यागी, गोबिंद सिंह भण्डारी बागेश्वर, स्वामी विवेकानंद जी रोज़ंक आचार्य सत्य जीत जी ओमप्रकाश आर्य अमृतसर, भंवर लाल आर्य,जोधपुर, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री दिल्ली, डॉ कैलाश कर्मठ कोलकाता, डॉ. धनंजय शास्त्री देहरादून, डॉ ज्वलंत कुमार शास्त्री अमेठी, स्वामी प्रणवाँनंद जी,साध्वी उत्तमां यतीं, बहन पूनम व प्रवेश आर्या,धर्मपाल आर्य एवं कमल आर्य छत्तीसगढ़ आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।एक नया उत्साह लिए लोग घरों को लौटे।

(11 मार्च को बलिदान दिवस पर विशेष रूप से प्रचारित)

इतिहास का ठुकराया हीरा– वीर छत्रपति शम्भा जी

–डा. विवेक आर्य

वीर शिवाजी के पुत्र वीर शम्भा जी का जन्म 14 मई 1657 को हुआ था। आप वीर शिवाजी के साथ अल्पायु में औरंगजेब की कैद में आगरे के किले में बंद भी रहे थे। आपने 11 मार्च 1689 को वीरगति प्राप्त की थी। इस लेख में वीर शम्भाजी जी के उस महान और प्रेरणादायक जीवन के हमें दर्शन होते है जिसका वर्णन इतिहासकार प्रायरू नहीं करते।

औरंगजेब के जासूसों ने सुचना दी की शम्भा जी इस समय आपने पाँच–दस सैनिकों के साथ वारद्वारी से रायगढ़ की ओर जा रहे है। बीजापुर और गोलकुंडा की विजय में औरंगजेब को शेख निजाम के नाम से एक सरदार भी मिला जिसे उसने मुकर्रब की उपाधि से नवाजा था। मुकर्रब अत्यंत क्रूर और मतान्ध था। शम्भा जी के विषय में सुचना मिलते ही उसकी बाछे खिल उठी। वह दौड़ पड़ा रायगढ़ की ओर। शम्भा जी आपने मित्र कवि कलश के साथ इस समय संगमेश्वर पहुँच चुके थे। वह एक बाड़ी में बैठे थे की उन्होंने देखा कवि कलश भागे चले आ रहे है और उनके हाथ से रक्त बह रहा है। कलश ने शम्भा जी से कुछ भी नहीं बोला। बल्कि उनका हाथ पकड़कर उन्हें खींचते हुए बाड़ी के तलघर में ले गए। परन्तु उन्हें तलघर में घुसते हुए मुकर्रब खान के पुत्र ने देख लिया था। शीघ्र ही मराठा रणबांकुरों को बंदी बना लिया गया। शम्भा जी व कवि कलश को लोहे की जंजीरों में जकड़ कर मुकर्रब खान के सामने लाया गया। वह उन्हें देखकर खुशी से नाच उठा। दोनों वीरों को बोरों के समान हाथी पर लादकर मुस्लिम सेना बादशाह औरंगजेब की छावनी की और चल पड़ी। औरंगजेब को जब यह समाचार मिला, तो वह खुशी से झूम उठा। उसने चार मील की दूरी पर उन शाही कैदियों को रुकवाया। वहां शम्भा जी और कवि कलश को रंग बिरंगे कपडे और विदूषकों जैसी घुंघरूदार लम्बी टोपी पहनाई गयी। फिर उन्हें ऊँट पर बैठा कर गाजे बाजे के साथ औरंगजेब की छावनी पर लाया गया। औरंगजेब ने बड़े ही अपशब्द शब्दों में उनका स्वागत किया। शम्भा जी के नेत्रों से अग्नि निकल रही थी, परन्तु वह शांत रहे। उन्हें बंदी ग्रह भेज दिया गया। औरंगजेब ने शम्भा जी का वध करने से पहले उन्हें इस्लाम काबुल करने का न्योता देने के लिए रूहल्ला खान को भेजा।

नर केसरी लोहे के सीखचों में बंद था। कल तक जो मराठों का सम्राट था। आज उसकी दशा देखकर करुणा को भी दया आ जाये। फटे हुए चिथड़ों में लिप्त हुआ उनका शरीर मिट्टी में पड़े हुए स्वर्ण के समान हो गया था। उन्हें स्वर्ग में खड़े हुए छत्रपति शिवाजी टकटकी बंधे हुए देख रहे थे। पिता जी पिता जी वे चिल्ला उठे– मैं आपका पुत्र हूँ। निश्चित रहिये। मैं मर जाऊँगा लेकिन३.. लेकिन क्या शम्भा जी ३रूहल्ला खान ने एक और से प्रकट होते हुए कहां।

तुम मरने से बच सकते हो शम्भा जी। परन्तु एक शर्त पर।

शम्भा जी ने उत्तर दिया में उन शर्तों को सुनना ही नहीं चाहता। शिवाजी का पुत्र मरने से कब डरता है।

लेकिन जिस प्रकार तुम्हारी मौत यहाँ होगी उसे देखकर तो खुद मौत भी थर्रा उठेगी शम्भा जी– रुहल्ला खान ने कहा।

कोई चिंता नहीं , उस जैसी मौत भी हम हिन्दुओं को नहीं डरा सकती। संभव है कि तुम जैसे कायर ही उससे डर जाते हो। शम्भा जी ने उत्तर दिया।

लेकिन३ रुहल्ला खान बोला वह शर्त है बड़ी मामूली। तुझे बस इस्लाम कबूल करना है। तेरी जान बक्श दी जाएगी। शम्भा जी बोले बस रुहल्ला खान आगे एक भी शब्द मत निकालना मलेच्छ। रुहल्ला खान अट्टहास लगाते हुए वहाँ से चला गया।

उस रात लोहे की तपती हुई सलाखों से शम्भा जी की दोनों आँखें फोड़ दी गई। उन्हें खाना और पानी भी देना बंद कर दिया गया।

आखिर 11 मार्च को वीर शम्भा जी के बलिदान का दिन आ गया। सबसे पहले शम्भा जी का एक हाथ काटा गया, फिर दूसरा, फिर एक पैर को काटा गया और फिर दूसरा पैर। शम्भा जी कर पाद–विहीन धड़ दिन

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रकाशनादि का विवरण फार्म-4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 01-3-2025 अनिल कुमार आर्य, प्रकाशक

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के 94वें बलिदान दिवस पर

संगीत संध्या : एक शाम शहीदों के नाम

रविवार, 23 मार्च 2025, शाम 4:30 से 7:30 बजे तक

आर्य समाज आनन्द विहार डी-ब्लाक दिल्ली-110092 (निकट मैट्रो स्टेशन कड़कड़डुमा)

मुख्य अतिथि: श्री हर्ष मल्होत्रा (केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार) अध्यक्षता- श्री अशोक जेठी (चैयरमैन मदर ग्लोबल स्कूल)

विशिष्ट अतिथि - श्री ओमप्रकाश शर्मा (विधायक) , डॉ. मोनिका पंत (निगम पार्षद)

गायक कलाकार- श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व प्रवीन आर्या 'पिंकी'

ऋषि लंगर रात्रि 7.30 बजे, आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

निवेदक: अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष 9810117464), महेन्द्र भाई (महामंत्री 9013137070), विनोद खुल्लर (प्रधान आर्य समाज, 9958311876) दीपक वर्मा, (मंत्री आर्य समाज, 9810366663), दिनेश सेठ (कोषाध्यक्ष, 9868128539), रामकुमार आर्य (प्रदेश अध्यक्ष), वेदप्रकाश आर्य (मंडल अध्यक्ष), प्रवीन आर्य (राष्ट्रीय मंत्री), सौरभ गुप्ता (संगठन मंत्री), विकास गोगिया (स्वागताध्यक्ष), धर्मपाल आर्य (कोषाध्यक्ष)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 704वां वेबिनार सम्पन्न

'आर्य समाज का छठा नियम' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

आर्य समाज को विभिन्न प्रकल्प लेने होंगे –अतुल सहगल

सोमवार 3 मार्च 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज का छठा नियम विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 703 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने विषय की भूमिका प्रस्तुत करते हुए ऐतिहासिक परिपेक्ष्य में और वर्तमान के समय में आर्यसमाज के कार्यों और उपलब्धियों की संक्षेप में बात की।आर्यसमाज के 10 नियम इस संस्था और इसके सदस्यों के कर्त्तव्यओं व उद्देश्य की रुपरेखा बांधते हैं।उन्होंने कहा कि यह नियम हर सदस्य और पूरी संस्था पर लागू हैं पर क्या इन नियमों का कठोरता से पालन हो रहा है?क्या आर्यसमाज अपने निर्धारित कार्य पूर्णरूप से व कुशलता से कर रहा है? ये बड़े प्रश्न हैं और इनपर गहन विचार और चिंतन करना होगा।आर्यसमाज हमारे समाज के सदस्यगणों की शारीरिक व आत्मिक उन्नति कितनी कर पाया? आर्यसमाज संसार की सामाजिक उन्नति गत 150 वर्ष में करने में कितना सफल रहा? वक्ता ने फिर 150 वर्ष के काल में आर्यसमाज द्वारा संपन्न किये मुख्य कार्यों की कुछ विस्तार से चर्चा की।वक्ता ने बताया कि किन क्षेत्रों में अधिक सफलता मिली और किन क्षेत्रों में सफलता न्यून रही। विशेष रूप से वक्ता ने उन क्षेत्रों और विषओं की चर्चा की जहाँ अभी बहुत कार्य शेष है व अपेक्षित है। शिक्षा,पाखंड खंडन,अंधविश्वास उन्मूलन,वेद विज्ञान व प्रोद्योगिकी, राजनीति,योग विद्या व आयुर्वेद इत्यादि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं।वक्ता ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि आर्यसमाज को आज हर क्षेत्र में प्रवेश करने की आवश्यकता है।तभी इसके नियम संख्या 6 का पूर्णता से पालन होगा।इसे राजीनीति,समाज सेवा,विज्ञान व प्रोद्योगिकी,स्वास्थ्य, वित्त,उद्योग,कानून इत्यादि हर क्षेत्र में अपने प्रकल्प निर्माण करने और स्थापित करने होंगे।इसके लिए हम आर एस एस की तरफ दृष्टि डालें।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 50 से अधिक प्रकल्प बनाये हैं।आर्यसमाज को भी ऐसा ही करना होगा।विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रकल्प बना के सब संस्थाओं को वैदिक विचारधारा के अनुरुप ढालना होगा।वक्ता ने बताया कि आर्यसमाज एक परिवर्तन लाने वाली संस्था है और इसके लिए आंदोलन चलते रहने चाहियें।तभी आर्यसमाज के छठे नियम का पूर्ण रूप से पालन होगा।वक्ता ने इसके बाद आर्यसमाज के भावी कार्यक्रम की एक रुपरेखा प्रस्तुत की।वक्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आर्य समाज के सदस्यगण अपनी संस्था के प्रत्येक नियम को गहराई से समझ के गंभीरतापूर्वक कार्य करेंगे तो इस समाज की गति और उपलब्धियां तेज़ी से बढ़ेंगी।ऐसा वर्तमान समय की मांग है।राष्ट्रीय और वैश्विक विकट समस्याओं का समाधान केवल आर्यसमाज के पास है।हमें अपने कार्य को गति देकर, समाज के हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए।ऋषि दयानन्द के सपने तभी साकार होंगे। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव व अध्यक्ष आर्य नेत्री कृष्णा पाहुजा ने अपने विचार रखे।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भण्डारी, सुधीर बंसल, अनिता रेलन आदि ने मधुर भजन सुनाए।

'ऊपर उठ' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

वैदिक संस्कृति सकारात्मक संदेश देती है –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

सोमवार 10 मार्च 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में **'ऊपर उठ'** विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 704 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. नरेन्द्र आहूजा विवेक ने कहा कि व्यक्ति को अपना कदम आगे बढ़ाते हुए सोपान चढ़ने के लिए पिछली सीढी से पैर उठा कर उसे छोड़ना होता है।इस तरह हमें जीवन में प्रगति के लिए काम क्रोध लोभ मोह ईर्ष्या द्वेष स्वार्थ अहंकार की कलुषित भावनाओं को छोड़ना होता है।वेद मन्त्र भी ऊपर उठने का संदेश देता है उदव्यं तमस्सपरि स्वः पश्यन्त उत्तरम।देवं देवत्रा सूर्यमग्नम ज्योतिर्रउत्तमम् अर्थात हम लोगों ने कोहरे तमस अंधकार या पापों या पापों के अंधकार से ऊपर उठकर प्रकाश को देखा और परम प्रकाशक ईश्वर को पा लिया।आगे बढ़कर देखा तो अधिक तेज वाले प्रकाश को पाया और आगे बढ़े तो हर प्रकाशित वा प्रकाशक वस्तु में उसी परम प्रकाशक प्रभु की प्राप्ति हुई।जीवन मे सदैव आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. गजराज सिंह आर्य व अध्यक्ष सोहन लाल आर्य ने विषय की संपुष्टि करते हुए कहा कि वैदिक संस्कृति रचनात्मक–रूप से आगे बढ़ने का संदेश देती हैं जहां निराशा का कोई काम नहीं है। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि हमें अग्नि से प्रेरणा लेनी चाहिए जो ऊपर की ओर बढती है।प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कुसुम भण्डारी, सरला बजाज, सन्तोष धर, रविन्द्र गुप्ता ,सुधीर बंसल आदि ने मधुर भजन सुनाए।

(पृष्ठ 2 का शेष)

भर खून की तलैया में तैरता रहा। फिर सायंकाल में उनका सर काट दिया गया और उनका शरीर कुत्तों के आगे डाल दिया गया। फिर भाले पर उनके सर को टांगकर सेना के सामने उसे घुमाया गया और बाद में कूड़े में फेंक दिया गया। मराठों ने अपनी छातियों पर पत्थर रखकर आपने सम्राट के सर का इंद्रायणी और भीमा के संगम पर तुलापुर में दाह संस्कार कर दिया गया। आज भी उस स्थान पर शम्भा जी की समाधि है। जो पुकार पुकार कर वीर शम्भा जी की याद दिलाती है कि हम सर कटा सकते है पर अपना प्यारे वैदिक धर्म कभी नहीं छोड़ सकते। मित्रों शिवाजी के तेजस्वी पुत्र शंभाजी के अमर बलिदान यह गाथा हिन्दू माताएं अपनी लोरियों में बच्चों को सुनाये तो हर घर से महाराणा प्रताप और शिवाजी जैसे महान वीर जन्मेंगे। इतिहास के इन महान वीरों के बलिदान के कारण ही आज हम गर्व से अपने आपको श्री राम और श्री कृष्ण की संतान कहने का गर्व करते है। आइये आज हम प्रण ले हम उसी वीरों के पथ के अनुगामी बनेंगे।

बोलो वीर छत्रपति शिवाजी की जय। बोलो वीर छत्रपति शम्भा जी की जय।।

128वें बलिदान दिवस पर पं. लेखराम को दी श्रद्धांजलि

धर्मान्तरण को रोकना ही पं.लेखराम को श्रद्धांजलि –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुद्धि आन्दोलन की भेंट चढ़ गए पंडित लेखराम – प्रवीण आर्य

वीरवार 6 मार्च 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में अमर शहीद,रक्त साक्षी पं. लेखराम आर्य मुसाफिर के 128 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।उल्लेखनीय है कि एक धर्मान्ध मुसलमान द्वारा शुद्धि अभियान से रूष्ट होकर 6 मार्च 1897 को लाहौर में छुरा मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सत्यनिष्ठ,धर्मवीर,आत्म बलिदानी पं. लेखराम अडिग ईश्वर विश्वासी,महान मनीषी,स्पष्ट निर्भीक वक्ता,आदर्श धर्म प्रचारक,त्यागी तपस्वी गवेषक,अच्छे लेखक थे। धर्मान्तरण रोकने और धर्मान्तरित लोगों की घर वापसी व शुद्धि करण के लिए ही पण्डित लेखराम ने अपना जीवन आहूत कर दिया और उनकी हत्या कर दी गई।पं.लेखराम ने महर्षि देव दयानन्द जी का जीवन चरित्र लिखने के लिए पूरे देश में घूम घूम कर प्रमाण एकत्रित किए।आज जब देश में दलित हिन्दु वर्ग का धर्मान्तरण ईसाई मिशनरियों द्वारा पूरे जोरों से किया जा रहा है तो हमारी पं. लेखराम को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आज देश में धर्मान्तरण को रोकने के लिए सबको पूर्ण प्रयास करना होगा। उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए अनेकों लोगों ने बलिदान दिये,उनमें पं. लेखराम का नाम गर्व से लिया जाता है।उन्होंने हिन्दुओं को मुसलमान बनाने के कार्य को रोका व किसी कारण धर्म परिवर्तन कर चुके हिन्दुओं के लिए यज्ञ द्वारा शुद्ध करके घर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।उनका पूरा जीवन वेद प्रचार व शुद्धि आंदोलन के लिए समर्पित रहा।आज उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर हिन्दु समाज को संगठित करने की आवश्यकता है तभी आने वाली बाधाओं से मुकाबला कर सकते हैं। आचार्य महेन्द्र भाई ने भी शुद्धि आंदोलन को राष्ट्र हित में प्रभावी बताया।उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को हिन्दू धर्म के योद्धाओं के इतिहास को बतलाने की आवश्यकता है और घर वापसी के अभियान चलाने की आवश्यकता है। पूर्व मेट्रो पोलेटिन मैजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि पं. लेखराम ने महर्षि दयानन्द की वैदिक मान्यताओं, सिद्धान्तों व उद्देश्यों के प्रचार को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था और अपनी योग्यता व पुरुषार्थ से वैदिक धर्म की महत्वपूर्ण सेवा व रक्षा की,उन्होंने अपने आगे पीछे कपड़े पर आर्य समाज के नियम लिखकर टांग रखे थे।सम्पूर्ण आर्य जगत् व सभी वैदिक धर्मी उनकी सेवाओं एवं बलिदान के लिए सदा–सदा के लिए ऋणी व कृतज्ञ हैं।उनके बलिदान ने यह सिद्ध कर दिया कि वैदिक धर्म के विरोधियों के पास वेद और आर्यसमाज के सिद्धान्तों की काट व उनका उत्तर नहीं है।आज फिर से पं.लेखराम जैसे वीरों की आवश्यकता है जो शास्त्रार्थ से वेद विरुद्ध बातों का युक्ति युक्त उत्तर दे सकें और विधर्मी हुए लोगों को शुद्ध करके वापिस हिन्दू धर्म में दीक्षा दे सकें। कार्यक्रम अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि धर्मवीर पण्डित लेखराम ने अपनी नश्वर देह का त्याग करते हुए आर्यो को यह सन्देश दिया था, ''तकरीर व तहरीर से प्रचार का कार्य बन्द न हो।'' आज आर्यों को उनकी इस वसीयत को पूरा करना है,तभी भविष्य में वेदाज्ञा 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' चरितार्थ हो सकता है।

जितेन कोहि के संग होली व यशपाल आर्य को बधाई

हास्य योग गुरु जीतेन कोहि के होली मंगल मिलन में सम्मिलित हुए। द्वितीय चित्र में बीजेपी नेता यश पाल आर्य की पोती के विवाह समारोह में प्रो जगदीश मुखी के साथ।

अशोक विहार में ऋषि बोध दिवस सम्पन्न व ओम प्रकाश शर्मा स्वागत

रविवार 2 मार्च 2025, आर्य समाज अशोक विहार फेज 2, दिल्ली में ऋषि बोध दिवस सोल्लास सम्पन्न हुआ. डॉ. जयेन्द्र आचार्य का ओजस्वी उद्बोधन हुआ। डॉ. महेन्द्र नागपाल ,योगेश वर्मा ,परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने अपने विचार रखे. प्रधान सत्य पाल गांधी, मंत्री राकेश बेदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। द्वितीय चित्र में विधायक ओम प्रकाश शर्मा का स्वागत करते हुए अनिल आर्य।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970